হিন্দু ধর্মের এফজন গোঁড়া প্রবক্তা (তেনেশু)

(An Ardent Advocate of Hinduism)

অর্বশক্তিমান ঈ্পের এবং ঘীশু খ্রীষ্ট আমার ত্রানফর্তা ও প্রভু ঘাঁর হাতে আমার অজানা ভবিষ্যৎ নিরাপদে পচ্ছিত আছে।

आहे, এঅ, आत, जिः এकि शिंज़ हिन्दू द्याक्षत पित्रवात्त जत्म अणि प्राहृत्यंत्र मधुपित्य तैंद्र डंटेहिन्मत। हिन्दू पित्रवात्त जन्मश्र्यत करत हिन्दू त्रीणिनीणि अखुराय करता यम्पत्क आमि भिक्षामाख करतिहिमाम। हिन्दुष्ट्व आमात त्रस्कत मधुपित्य प्रवाहिण हत्यिहिमा यात कर्म हिन्दू प्रधान हम्म उत्तरिक्ष हिन्द्र व्यापित व्याप व्यापित व्याप व्याप

प्पिमाग्न आभाव वावा এकজन डाक्काव ছिल्मन, किन्तु छिनि ছिल्मन अञ्जल धर्मीग्न भत्नाडावाष्ट्रत त्माक। ध्रिज वहत ১২ थ्वरक ১৫ फित्नव हृिए नित्य छिनि आभाएत पविवादवव अकलरक नित्य आभाएतव प्रत्याव विध्वाज सम्मित्र ଓ जीर्थम्बनश्वनि एष्यर्ज थ्वरजन। आभाव अकल आजिय्य-४कन हिल निष्ठावान हिन्तु এव९ ध्रुजिया पूकारकरे जावा अकल्ल पहल कवजा।

डात्र ग्रंथात्र पित्रामिण এकि कम्पानीत्य यामात्र धूव डाम हाक्त्री हिम এवर এकक्रम यत्रभीम औ उ पूरे हिल्म नित्य यामि ग्रंथात्र कीवम यापम क्रविह्माम। এकक्रम हिन्सू हिल्मव यामि धूवरे श्वाडाविक उ श्वाड्र्ड्स कीवम यापम क्रविह्माम। कथ्या यामात्र होका—पद्मणात्र यद्धाव हिम्मा। याण्यिय—श्वक्रमपत्र डामवाणा व्यव्काउ यामि विक्ष्ण रहेनि। এग्य थाका मल्द्धु यामि यम मक्त्यात्र व्यवक এक्ष्रे दूव्य दूव्य वाण क्रविह्माम। काम कात्रम हाड़ारे यामात्र मत्था यम এक्छो पूर्विह्मा हिम्म এवर এकि गर्शाण्यम् कीवम यामि यापम क्रविह्माम। यामात्र स्वकाती हाक्त्रीत्य, भी—स्मान उ पित्रवाद्यत्र दिक व्यव्य यामात्र काम समस्य।

किन्दु, आभि आभाव नित्जव मध्य डीस्नास ट्रामाश्च हिलाम, आभि धन একেবারে ভেন্চে পড়েছিলাম এবং শালি খুঁজে বেড়াছিলাম। ভারতবর্ষের একপ্রাল থেকে আরেক প্রালে আমি অত্য প্রপুরকে খুঁজে বেড়িয়েছি। আমার হিন্দু ধর্মে লক্ষ্ণ লক্ষ্ণ দেব—দেবী রয়েছে। এঅকলের মধ্যে আমি অত্য প্রপুরকে খুঁজেছি। র্ভন্তর ভারতের বিখ্যাত অমরনাথ শুহা এবং দক্ষিন ভারতের বিপাথি মন্দিরে আমি গিয়েছি। কিন্দু এত জায়লা ঘুরেও আমি এক প্রতা নিয়েই ফিরে এতেছি। আমার মধ্যে যেন কোন একটা কিছুর অভাব ছিল। আমি খুঁজছিলাম, কিন্দু আমি যে প্রপুরকে খুঁজছিলাম তাঁকে আমি খুঁজে পাইনি। কিন্দু আমার বন্ধু ও আত্মিয়— ম্বজনদের কাছে আমি ছিলাম একজন অন্য আধারন জ্ঞানী ও ব্যক্তিত্ব অন্যর লোক; কিন্দু একমাত্র আমিই জানতাম যে আমি কে। লোকেরা আমাকে অন্যান করত এবং অমাজে আমি একজন খুব র্বন্ট্ খরের অংশ্বতিঅন্দরে লোক হিতেবে পরিচিত ছিলাম। আমি অত্যই একজন ভণ্ড লোক ছিলাম।

প্রশ্বরের দয়া ও অনুগ্রহের জন্যে তাঁর প্রশংসা করি যে, তিনি কখনো তাঁর কোন অশানকে হারিয়ে যেতে দিতে চান না। ঘটনাটা এভাবেই ঘটেছিল যে ১৯৯৩ সালে আমার শ্রীর আমেরিকাতে যাওয়ার মুযোগ হয়েছিল এবং তিনি তার ভাইয়ের